रजिस्ट्रीसं० डी-(डी)—73 REGISTERED NO. D-(D)—73

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORIT

सं० 23] नई दिल्ली, शनिवार, जून 7, 1975 (ज्येष्ठ 17, 1897)
No 23] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 7, 1975 (JYAISTHA 17, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

नोटिस
NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 13 मई 1975 तक प्रकाशित किये गये हैं :
The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 13th May, 1975.

अंक सं० Issue No.	संख्या और तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
	सं० 41/3/सी० 1/75 दिनांक 7 मई, 1975	लोक सभा	लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन सम्बन्धी नियमों (पांचवां संस्करण) में संशोधन।
85.	No. 41/3/CI/75, dated the 7th May 1975	Lok Sabha	Amendment to the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha (Fifth Edition).
	सं० 31-आई० टी० सी० (पी० एन०)/75 दिनांक 9 मई, 1975	वाणिज्य मंत्रालय	अप्रैल, 1975—मार्च, 1976 के लिए पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात-नीति।
86.	No. 131-ITC(PN)/75, dated the 9th May, 1975.	Ministry of Commerce	Import policy for Registered Exporters for April 1975—March 1976.
	सं० 32-आई० टी० सी० (पी० एन०)/75 दिनांक 12 मई, 1975।	वाणिज्य मंत्रालय	अप्रैल, 1975—मार्च, 1976 के लिए पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात-नीति।
87.	No. 32-ITC(PN)/75, dated the 12th May, 1975	Ministry of Commerce	Import policy for Registered Exporters for April 1975—March, 1976.
	सं० 33-आई० टी० सी० (पी० एन०)/75 दिनांक 13 मई, 1975	वाणिज्य मंत्रालय	पंजीकृत निर्यातकों के लिए आयात-नीति (अप्रैल 1975—मार्च 1976) के अन्तर्गत आवेदन-पत्रों पर विचार करने के लिए सरलीकृत क्रियाविधि।
88.	No. 33-ITC(PN)/75, dated the 13th May, 1975.	Ministry of Commerce	Simplified Procedure for processing of applications under the import policy for Registered Exporters (April 1975—March, 1976).

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां, प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांग-पत्र नियन्त्रक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिएं।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on indent to the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Controller within ten days of the date of issue of these Gazettes.

विषय सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं 349

भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से संबंधित अधिसूचनाएं . . . 853

भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं . . . 65

भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . 731

भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम . . . —

भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्ट . —

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) . . . 1629

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)—रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं . . . 2039

भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश . 321

भाग III—खण्ड 1—महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं . . . 4313

भाग III—खण्ड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस . . . 341

भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं . . . 9

भाग III—खण्ड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिन में अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं . . 1267

भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस 93

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notification relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court 449

PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court 53

PART I—SECTION 3.—Notification relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence 65

PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence. 73

PART II—SECTION 1.—Acts. Ordinances and Regulations .. .. *

PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills. .. .. .. *

PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories .. 1629

PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. 2039

PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence .. 321

PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India .. 4313

PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta .. 341

PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners 9

PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies 1267

PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies 93

भाग I—खंड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनाक 24 मई 1975

स० 46-प्रेज/75—राष्ट्रपति नागालैण्ड पुलिस के निम्नाकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते है :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री सुकुम यिमचुन्गर,
उप-निरीक्षक,
नागालैण्ड ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

24 मई, 1972 को श्री सुकुम यिमचुन्गर, उप-निरीक्षक ने स्वकथित लेफ्टिनेट जग बहादुर एक छिपे हुए व्यक्ति के बारे मे सूचना मिलने पर, आवश्यक पुलिस दल एकत्र किया और उसके निवास स्थान पर पहुचे परन्तु उसे वहा न पाया । तत्पश्चात एक और मकान को घेर लिया जहा उसके ठहरने का सदेह था । मकान का दरवाजा बाहर से लकडी की दो पट्टियो से बन्द किया हुआ था ताकि ऐसा लगे कि वहा कोई नही है । उप-निरीक्षक अपने जीवन के लिए भारी खतरा मोल लेकर दो अन्य व्यक्तियो के साथ मकान के अन्दर गये और उस व्यक्ति पर काबू पाने का प्रयत्न किया । जग बहादुर ने सगीन लगी हुई एक राइफल लेकर अपने बिस्तर से छलाग लगाई किन्तु उससे पहले कि वह कोई क्षति पहुचा सके पुलिस दल ने उसे रोक लिया ।

विरोधियो के नेता को पकडने मे श्री सुकुम यिमचुन्गर ने अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया ।

2 यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनाक 24 मई, 1972 से दिया जाएगा ।

स० 47-प्रेज/75—राष्ट्रपति मध्य प्रदेश विशेष सशस्त्र दल के निम्नाकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते है :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री अर्जुन सिह,
कास्टेबल स० 110
'एफ०' कम्पनी, 5 वी बटालियन,
विशेष सशस्त्र दल,
मोरेना (मध्य प्रदेश) ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

श्री अर्जुन सिह ग्वालियर नगर मे 29 मार्च, 1973 की रात्रि को तैनात किये गये एक निरस्त्र गश्ती दल के सदस्य थे । अर्ध रात्रि के तुरन्त बाद इस दल को सेंधमारो का एक गिरोह मिला जो शराब के नशे मे धुत था । ललकारे जाने पर गिरोह के नेता ने एक रिवाल्वर निकाल कर पुलिस दल पर तान दिया और उन्हे पीछे हटने पर मजबूर कर दिया । एक कास्टेबल तो सहायता के लिए पुलिस थाने की ओर दौडा और दूसरो ने बदमाशो का छिपकर पीछा करना शुरू कर दिया । जब बदमाश लक्ष्मण तालाब के समीप एक घर मे घुस गए तो पुलिस ने विभिन्न दिशाओ से उन्हे घेरने का प्रयत्न किया । जब बदमाशो को पुलिस की उपस्थिति का पता लगा तो, उन्होने अपने छिपने के स्थान से बाहर कूद कर निकलने का प्रयास किया । दो डाकू एक नाल मे कूद गए किन्तु गिरोह के नेता जिसके पास एक रिवाल्वर था और जिसे निकालने का प्रयत्न कर रहा था, को कास्टेबल अर्जुन सिह ने, जो निहत्थे थे, पकड लिया । गिरोह का नेता कास्टेबल की पकड से निकलने मे सफल हो गया और उसने अपनी रिवाल्वर से गोली चलाई जो सौभाग्यवश कास्टेबल को नही लगी । इस बीच और पुलिस सहायता आ गई बाद मे हुई मुठभेड मे गिरोह का नेता जीता मारा गया । मृतक से एक 12 बोर रिवाल्वर और कुछ कारतूस बरामद हुए ।

इस मुठभेड मे श्री अर्जुन सिह ने उत्कृष्ट साहस और कर्त्तव्य-परायणता का परिचय दिया ।

2 यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनाक 29 मार्च, 1973 से दिया जाएगा ।

स० 48-प्रेज/75—राष्ट्रपति केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल के निम्नाकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते है :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री निर्मल सिह,
कास्टेबल स० 69019208,
19वी बटालियन,
केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया ।

19/20, अक्तूबर, 1971 को, एक सूचना के आधार पर एक पुलिस दल को पश्चिमी बगाल के बारासट थाना क्षेत्र मे लक्ष्मी

नारायण कालोनी और पाम की पायनियर कालोनी में कुछ उग्रवादियों के छिपने के स्थान का पता लगाने के लिए भेजा गया। पुलिस दल को तीन टुकड़ियों में बांट दिया गया। जब उग्रवादियों ने इन आक्रमणकारी टुकड़ियों को अपनी ओर आते हुए देखा, तो उन्होंने पुलिस का मुकाबला करने के लिए बम फैंके और अपने आप कई ग्रुपों में बट गये। इनमें से एक ग्रुप केन्द्रीय आरक्षित पुलिस दल के घेरे की ओर बढ़ा और उस पर बम फैंके। एक उप-निरीक्षक द्वारा रिवाल्वर से चलाई गई तीन गोलियां बेकार गईं। उसी समय, कांस्टेबल निर्मल सिंह, बायें बाजू के अगले हिस्से में 9 एम० एम० की गोली से चोट लगने पर भी अपने जीवन के लिए खतरे की परवाह न करते हुए अन्धेरे में आगे लपके और अपनी राइफल से उग्रवादियों पर गोली चलाई। उग्रवादियों द्वारा गोली चलाई जाने और बम फैंके जाने पर भी वे गोलियां चलाते रहे और एक उग्रवादी को मार डालने में सफल हुए। जिससे वे हतोत्साहित हो गये और पाईपगन और चार बमों सहित एक शव को छोड़कर वे अन्धेरे की आड़ में भाग खड़े हुए।

इस मुठभेड़ में श्री निर्मल सिंह ने उत्कृष्ट वीरता और कर्त्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 20 अक्तूबर, 1971 से दिया जाएगा।

सं० 49-प्रेज/75—राष्ट्रपति बिहार पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री राम आश्रय सिंह, (**स्थानापन्न**)
पुलिस उप-निरीक्षक,
मुजफ्फरपुर जिला,
बिहार।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

श्री राम आश्रय सिंह को पाटेपुर थाने का प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया था। यह क्षेत्र उग्रवादियों में ग्रस्त था। 24 जून, 1973 को सूचना मिली कि कुछ उग्रवादियों ने टिस्लौटा गांव में डकैती डालने की योजना बनाई है। उप-निरीक्षक श्री सिंह ने उपलब्ध पुलिस दल को एकत्र किया और उस स्थान को घेर लिया जहां उग्रवादी इकट्ठे हुए थे। घेर लिये जाने पर उग्रवादियों ने गोली चला दी जिसके जवाब में पुलिस दल ने भी गोली चलाई। श्री सिंह द्वारा चलाई गई गोलियों से मच्छिदा नन्द सिंह नाम का एक कट्टर उग्रवादी मारा गया तथा एक और उग्रपंथी शंकर साव गम्भीर रूप से घायल हुआ। श्री राम आश्रय सिंह ने घायल उग्रवादी को दबोच कर पकड़ लिया।

इस मुठभेड़ में श्री राम आश्रय सिंह ने उत्कृष्ट वीरता तथा उच्चकोटि की कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 24 जून, 1973 से दिया जाएगा।

सं० 50-प्रेज/75—राष्ट्रपति आन्ध्र प्रदेश विशेष पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री एम० ए० लतीफ,
हवलदार सं० 187,
आन्ध्र प्रदेश विशेष पुलिस।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

24 जुलाई, 1973 को लगभग 20 मील की थका देने वाली पैदल यात्रा के बाद हवलदार एम० ए० लतीफ ने एलापुर सशस्त्र बाहरी चौकी का कार्यभार सम्भाला। कार्यभार सम्भालने के बाद उन्हें वन क्षेत्र में कुछ उग्रवादियों की गतिविधि के बारे में सूचना मिली। जरा भी समय गंवाए बिना वे उग्रवादियों के छिपने के सम्भावित स्थान की ओर गये। पुलिस दल को आते देखकर उग्रवादियों ने गोलीबारी की आड़ में बचकर भाग निकलने का प्रयत्न किया। हवलदार लतीफ ने अपने जीवन के लिए भारी खतरा मोल लेकर पीछा करने में पुलिस दल का नेतृत्व किया और उनके साथ हुई मुठभेड़ में एक उग्रपंथी को गोली से मार डालने में सफल हुए, जो एक कुख्यात उग्रवादी नेता पैदन्ना उर्फ दल्ला वेंकट रामराजू निकला जिसने अनेक हत्यायें और लूट-मार कर रखी थी। पुलिस दल ने 4 राउन्डों सहित एक विदेशी 9 एम० एम० स्वचालित राइफल बरामद की।

इस मुठभेड़ में श्री एम० ए० लतीफ ने असाधारण साहस और कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 24 जुलाई, 1973 से दिया जाएगा।

सं० 51-प्रेज/75—राष्ट्रपति दिल्ली पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री मान सिंह,
कांस्टेबल सं० 748/सी,
(अब हैड कांस्टेबल सं० 60/डी०ए०पी०),
दिल्ली पुलिस।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

14/15 जुलाई, 1974 की रात्रि को जब कांस्टेबल मान सिंह अपने दो साथियों के साथ रिंग रोड पर ब्रिटेनिया बिस्कुट फैक्ट्री के निकट ड्यूटी पर थे तो उन्हें सूचना मिली कि कुछ व्यक्तियों को, जिनके पास हथियार होने का संदेह है, पास के बाग में छिपते हुए देखा गया। हथियार लेने के बाद पुलिस दल बाग की ओर गया। जब वे जा रहे थे, तो उन्होंने चीखी-पुकार सुनी जो बाग के निकट वाली झुग्गियों से आ रही थी।

कांस्टेबल मान सिंह ने हैड कांस्टेबल से राइफल ली और उप-निरीक्षक ईश्वर सिंह के साथ तुरन्त झुग्गियों की ओर गये। उन्होंने कुछ आदमियों को शरण लेने के लिए समीप ही कूड़ा करकट फैंकने के स्थान की ओर भागते हुए देखा। ललकारे जाने पर उन्होंने गोली चला दी। कांस्टेबल मान सिंह ने जवाब में गोली चलाई और डाकुओं को जहां का तहां रोक दिया। डाकुओं पर आक्रमण करने के ध्येय से कांस्टेबल मान सिंह उस स्थान की ओर दौड़े जहां सभी डाकुओं ने आड़ ले रखी थी। जब वे ऐसा कर रहे थे तो डाकुओं की बन्दूक से कुछ छर्रे उनकी छाती में लगे जिससे वे घायल हो गए। डाकू गोलाबारी की आड़ में बचकर भाग निकले। कांस्टेबल मान सिंह को विलिंगडन अस्पताल में दाखिल किया गया। लम्बे इलाज के बाद वे ठीक तो हो गए किन्तु डर है कि उनकी दोनों ही आंखों की रोशनी न जाती रहे। कांस्टेबल मान सिंह की वीरता, साहस और पहलशक्ति के कारण ही डाकुओं के इस खतरनाक गिरोह का पता चल सका।

डाकुओं के साथ मुठभेड में श्री मान सिंह ने अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए उत्कृष्ट वीरता और कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 15 जुलाई, 1974 से दिया जाएगा।

स० 52-प्रेज/75—राष्ट्रपति बिहार पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री सूरज नारायण सिंह,
पुलिस उप-निरीक्षक,
मुजफ्फरपुर जिला,
बिहार।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

1972 में श्री सूरज नारायण सिंह को सकरा थाने में नियुक्त किया गया था जो क्षेत्र उग्रवादियों से ग्रस्त था। 24/25 मई, 1972 को श्री सूरज नारायण सिंह पुलिस दल के साथ, रामदेव पासवान नामक एक कुख्यात उग्रपंथी को पकड़ने के लिए गये। जब पुलिस दल घात लगाये हुए था तो उग्रवादियों को पुलिस की उपस्थिति का आभास हो गया और उन्होंने गोली चला दी। पुलिस ने जवाब में गोली चलाई और मुठभेड़ में रामदेव पासवान मारा गया। 2 अगस्त, 1972 को एक अन्य पुलिस दल श्रीपति महतो को, जिसने क्षेत्र में अनेक गम्भीर अपराध किए थे और जो फरार था, पकड़ने के लिए भेजा गया। श्री सूरज नारायण सिंह ने दल का नेतृत्व किया और श्रीपति महतो को पकड़ने के लिए घात लगाई। किन्तु उसे पुलिस की उपस्थिति का पता लग गया और वह बचकर भाग निकला। परन्तु पुलिस ने उसका पीछा किया और अन्त में उसे गिरफ्तार कर लिया। जब महतो को थाने ले जाया जा रहा था तो लगभग 25/30 उग्रवादियों ने गिरफ्तार उग्रपंथी को छुड़ाने के लिए पुलिस दल पर आक्रमण कर दिया। आक्रमण से फायदा उठाकर गिरफ्तार उग्रपंथी बचकर भाग निकला। किन्तु दोनों ओर से हुई गोलीबारी में महतो मारा गया और कुछ अन्य घायल हुए। एक देशी बन्दूक और 12 बोर के भरे कारतूस घटनास्थल से बरामद किए गए।

इन मुटभड़ों में श्री सूरज नारायण सिंह ने अपने जीवन को जोखिम में डालकर विशिष्ट साहस और वीरता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा - तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनाक 2 अगस्त, 1972 से दिया जाएगा।

क्र० बालचन्द्रन्,
राष्ट्रपति के सचिव

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई, 1975

संकल्प

सं० 14(9) प्लांट (ए)/66—पथिनी सलाहकार बोर्ड के पुनर्गठन के सम्बन्ध में, दिनांक 17 नवम्बर, 1973, 21 फरवरी, 1974, 15 मई 1974, 1 जून 1974 तथा 26 दिसम्बर 1974 के संकल्पों सं० 14 (9)प्लांट(ए)/66 द्वारा यथासंशोधित इस मंत्रालय के दिनाक 26 जुलाई, 1973 के संकल्प सं० एफ० 14(9) प्लांट (ए)/66 में निम्नलिखित परिवर्तन किये जायेंगे, अर्थात् :—

कंडिका 4 में "31 मार्च, 1975" इन शब्दों तथा अंकों के स्थान पर "30 जून, 1975" ये शब्द तथा अंक रखे जायेंगे। अन्य शर्तों में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

एस० महादेव अय्यर,
अवर सचिव

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय
(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनाक 17 मई, 1975

संकल्प

सं० X 19017/1/75-डी एण्ड एम एस—भारत सरकार ने उन औषधियों और चिकित्सीय उपयोग की वस्तुओं की जो आवश्यक प्रवृत्ति की है और इस कारण जिन्हें देश में निर्माण के लिए और समय-समय पर आयात के लिए प्राथमिकता दी जानी चाहिए, सूची तैयार करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) के सकल्प सं० फा० 4-6/70-दिनांक 18 मई, 1972 (प्रति संलग्न है) द्वारा तीन वर्ष की अवधि के लिए एक आवश्यक औषधि समिति गठित की थी। भारत सरकार अपने प्रसाद से उक्त समिति की अवधि दो वर्ष की कालावधि के लिए, अर्थात् 18 मई, 1977 के लिए बढ़ाती है।

समिति के निबन्धन वही रहेंगे।

सती नायर,
अवर सचिव

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1975

सं० एफ० 1-2/75-एस० पी०-1—संकल्प संख्या एफ० 1-2/72-आई०एस० 1(2), दिनांक 13 अप्रैल, 1972 द्वारा स्थापित, अखिल भारतीय खेलकूद परिषद की अवधि 12 अप्रैल, 1975 को समाप्त हो गई है। परिषद् के पुनर्गठित होने तक, सरकार ने परिषद् के अध्यक्ष तथा निम्नलिखित सदस्यों की कार्यावधि नए नामांकन किये जाने तक बढ़ा दी है :—

अध्यक्ष

जनरल पी० पी० कुमारमंगलम्

सदस्य :

(I) **खिलाड़ी :**

1. श्री मन्सूर अली खान
2. श्री बलबीर सिंह
3. श्री एस० मेवालाल
4. श्री टी० आओ
5. श्री आर० कृष्णन
6. श्री नौम मोहम्मद
7. श्री नन्दू नाटेकर
8. श्री मिहिर सेन
9. श्री मिलिखा सिंह
10. श्री बी० एस० बरूआ
11. श्री भीम सिंह
12. श्रीमती आरती गुप्ता
13. श्रीमती स्टीफी मकीन
14. श्री तेनसिंह नार्गे
15. श्री ए० पालानिचामी
16. डा० करणी सिंह

(II) **खेलों को प्रोत्साहित करने वाले :**

17. श्री भैरव चन्द्र महन्ती
18. श्री बी० एन० काक
19. श्री आर० टी० पार्थसारथी
20. श्री जी० के० हंडू
21. श्री एम० आर० कृष्ण
22. श्री पी० सहाय

(III) **खेल लेखक**

23. श्री रीन हैन्ड्रिक्स

(IV) **शिक्षा विद्**

24. श्री जी० पार्थसारथी
25. प्रो० चन्द्रन डी० एस० देव नेसन
26. श्री एम० एन० कपूर

(V) **संसद सदस्य**

27. श्री इन्द्रजीत गुप्त	संसद सदस्य (लोक सभा)
28. श्री जुल्फिकार अली खां	संसद सदस्य (लोक सभा)
29. श्री बयालार रवि	संसद सदस्य (लोक सभा)
30. श्री जी० वेंकटास्वामी	संसद सदस्य (लोक सभा)
31. श्री विट्ठल गाडगिल	संसद सदस्य (राज्य सभा)
32. श्री के० पी० सिंह देव	संसद सदस्य (राज्य सभा)

(VI) **विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि**

33. श्री सुरेन्द्र सिंह अलिराजपुर संयुक्त सचिव

(VII) **सदस्य सचिव**

34. श्री शाहिद अली खान
संयुक्त सचिव,
शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय

एस० एल० कौशल,
अवर सचिव

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1975

संकल्प

सं० क्यू०-13012(5)/72-डब्ल्यू० ई०—श्री एस०आर० सकरन को, भारत सरकार, श्रम मंत्रालय द्वारा उनके संकल्प संख्या क्यू०-13012(5)/72-डब्ल्यू० ई०, दिनांक 29 जुलाई, 1974 द्वारा गठित श्रमिक शिक्षा पुनरीक्षा समिति का सदस्य, श्री ए० आर० शंकरानारायण, जिन्होंने इस्तीफा दे दिया है, के स्थान पर नियुक्त किया जाता है।

आदेश

आदेश है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी संबंधितों को भेजी जाए।

यह भी आदेश है कि यह संकल्प आम सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

हंस राज छाबड़ा,
उप सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 24th May 1975

No. 46 Pres./75.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Nagaland Police :—

Name and Rank of the Officer

Shri Sukum Yimchunger,
Sub-Inspector,
Nagaland.

Statement of services for which the decoration has been awarded

On 24th May, 1972 Shri Sukum Yimchunger, Sub-Inspector, on getting information about the whereabouts of an underground self styled Lt Jang Bahadur, collected necessary force and proceeded to his residence but did not find him there. Thereafter the police party surrounded another house where Jang Bahadur was suspected to be staying. The door of the house was closed with two wooden bars from outside to create an impression that nobody was inside. The Sub-Inspector entered the house along with two other persons at great risk to his life and tried to overpower him. Jang Bahadur jumped out of his bed with a rifle fitted with a bayonet. Before he could do any damage, he was arrested by the police party.

In apprehending a hostile leader Shri Sukum Yimchunger exhibited conspicuous gallantry in disregard of his personal safety.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 24th May, 1972.

No. 47-Pres/75.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Madhya Pradesh Special Armed Police :—

Name and Rank of the Officer

Shri Arjun Singh,
Constable No. 110,
'F' Company, 5th Battalion,
Special Armed Force,
Morena, (Madhya Pradesh).

Statement of services for which the decoration has been awarded.

Shri Arjun Singh was a member of an unarmed patrol party deputed in Gwalior city on the night of 29th March, 1973. Soon after midnight the party came across an armed gang of house-breakers who were extremely drunk. When challenged, the gang leader wiped out a revolver and aimed at the police party compelling them to retreat. While one of the Constables rushed to the police station for seeking assistance, others started shadowing the robbbers. When the miscreants entered a house near Laxman Talab, the police tried to close in from different directions. When the miscreants became aware of the police presence, they jumped out of their hiding place and tried to escape. Two of them jumped into a "Nalla" but the gang leader who had a revolver with him and was trying to take it out was apprehended by Constable Arjun Singh who was unarmed. The gang leader succeeded in getting himself free from the hold of the Constable and fired at him but fortunately it did not hit the Constable. Meanwhile further police assistance came and in the encounter that ensued the gang leader Jeeta was shot dead. One 12 bore revolver and some cartridges were recovered from the deceased.

In this encounter Shri Arjun Singh exhibited conspicuous courage and devotion to duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules govering the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 29th March, 1973.

No. 48-Press/75.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Central Reserve Police Force :—

Name and Rank of the Officer

Shri Nirmal Singh,
Constable No. 69019208,
19th Battalion,
Central Reserve Police Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On 19/20th October, 1971, a police party was sent to work out information about the hiding of some extremists in the Laxminarayan Colony as also in the adjoining Pioneer Colony in Barasat P. S. area of West Bengal. The police party was divided into three groups. When the extremists saw the raiding groups approaching them, they hurled bombs and split themselves into a number of groups to face the police. One such group ran towards the Central Reserve Police Force cordon and threw bombs at them. Three revolver shots fired by one Sub-Inspector were not fruitful. At this stage Constable Nirmal Singh, though himself injured with 9 mm bullet on his left forearm, ran forward in the darkness ignoring risk to his own life and fired from his rifle at the extremists. Amidst firing and bomb throwing by the extremists, he continued the firing and was able to kill an extremist. This created demoralisation among their ranks and they fled under the cover of darkness leaving behind a dead body with a pipe gun and 4 live bombs.

In this encounter Shri Nirmal Singh exhibited conspicuous gallantry and devotion to duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 20th October, 1971.

No. 49-Pres/75.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Bihar Police : —

Name and Rank of the Officer

Shri Ram Ashray Singh, *(Officiating)*
Sub-Inspector of Police.
Muzaffarpur District,
Bihar.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

Shri Ram Ashray Singh was posted to Patepur police station as Officer-in-charge. This area was infested with the extremists. On 24th June, 1973, information was received that some extremists had planned to commit a dacoity in village Tislauta. Sub-Inspector Shri Singh collected the available force and surrounded the place of their assemblage. On being surrounded the extremists opened fire which was returned by the police party. The shots fired by Shri Singh killed one Sachida Nand Singh, a hard core extremist and also severely injured another extremist Shankar Sao. Shri Ram Ashray Singh then pounced upon the injured extremist and captured him.

In this encounter Shri Ram Ashray Singh exhibited conspicuous gallantry and a high degree of devotion to duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 24th June, 1973.

No. 50-Pres/75.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Andhra Pradesh Special Police :—

Name and Rank of the Officer

Shri M. A. Lateef.
Havildar No. 187.
Andhra Pradesh Special Police.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On 24th July, 1973 after a tiring journey of about 20 miles on foot, Havildar M. A. Lateef took charge of Ailapur Armed outpost. After taking over charge he received information about the movement of some extremists in the forest area. Without losing any time he proceeded to the likely hideout of the extremists. On seeing the approaching police party, the extremists tried to escape under cover of firing. Havildar Lateef, with great risk to his life, led the police party in the chase and the encounter that followed he was able to shoot an extremist who was later identified as Peddana alias Datla Venkata Ramaraju, a notorious extremist leader responsible for many murders and looting. The Police party recovered one 9 mm automatic rifle of foreign origin with 4 live rounds.

In this encounter Shri M. A. Lateef exhibited extraordinary courage and devotion to duty.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 24th July, 1973.

No. 51-Pres/75.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Delhi Police :—

Name and Rank of the Officer

Shri Man Singh,
Constable No. 748/C,
(now Head Constable No. 60/DAP),
Delhi Police.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

Constable Man Singh was on duty near Britannia Biscuit Factory on the Ring Road along with other colleagues on the night of 14/15th July, 1974 when he received information that some persons suspected to be carrying arms were seen hiding in a nearby garden. After obtaining arms, the police party proceeded towards the garden. While they were doing so, they heard distress calls coming from jhuggies adjacent to the garden.

Constable Man Singh took the rifle from the Head Constable and along with Sub-Inspector Ishwar Singh rushed towards the jhuggies. He noticed a group of men running away to take cover in the nearby garbage dumping ground. On being challenged, they opened fire. Constable Man Singh returned the fire and kept the dacoits pinned down. In a gallant bid to charge the dacoits, Constable Man Singh rushed towards the place where all the dacoits had taken cover. While doing so, he received pellet injuries on his chest at the hands of dacoits who were able to escape under the cover of fire. Constable Man Singh was admitted in the Willingdon Hospital. After prolonged treatment, he survived but it is feared that he might lose sight in both the eyes. The gallant action and courageous initiative shown by Constable Man Singh was primarily responsible in bringing to earth this dangerous gang of dacoits.

In the encounter Shri Man Singh exhibited conspicuous gallantry and devotion to duty in disregard of personal safety.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 15th July, 1974.

No. 52-Pres/75.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Bihar Police :—

Name and Rank of the Officer

Shri Suraj Narain Singh,
Sub-Inspector of Police,
Muzaffarpur District,
Bihar.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

In 1972, Shri Suraj Narain Singh was posted in Sakra Police Station which was an extremist infested area. On 24/25th May, 1972, Shri Suraj Narain Singh went with a police party to apprehend a notorious extremist named Ramdeo Paswan. While the police party was lying in ambush, the extremists got scent of the presence of the police and opened fire. The fire was replied to by the police and Ramdeo Paswan was killed in the encounter. On 2nd August, 1972 another police party was sent for the arrest of Sripati Mahto who had committed a number of serious crimes in the area and was absconding. Shri S. N. Singh led the party and laid an ambush to apprehend Sripati Mahto. He, however, became aware of the police presence and was able to escape but was shadowed and finally the police were able to arrest him. When Mahto was being taken to the police station, about 25/30 extremists attacked the police party with a view to rescuing the apprehended extremist. Taking advantage of the attack Mahto tried to escape. In the exchange of fire, however, Mahto was killed and some others received injuries. A country made gun and 12 bore live cartridges were recovered from the site.

In these encounters Shri Suraj Narain Singh exhibited remarkable courage and valour at grave risk to his life.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 2nd August, 1972.

K. BALACHANDRAN, Secy.

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 17th May 1975

RESOLUTION

No. 14(9)-Plant(A)/66.—In the Ministry's Resolution No. F. 14(9)-Plant(A)/66 dated 26th July, 1973 as amended by Resolution's No. 14(9)-Plant (A)/66 dated the 17th November, 1973, 21st February, 1974, 15th May, 1974, 1st June, 1974 and 26th December, 1974 in regard to the reconstitution of Pathini Advisory Board, the following changes shall be made, namely :—

In paragraph 4, for words and figures "31st March, 1975" the words and figures "30th June 1975" shall be substituted.

The other terms and conditions remain unchanged.

ORDER

Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India.

S. MAHADEVA IYER,
Under Secy.

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(DEPARTMENT OF HEALTH)

New Delhi, the 17th May 1975

RESOLUTION

No. X.19017/1/75-D&MS.—The Government of India constituted a Committee on Essential Drugs vide the Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) Resolution No. F.4-6/70-D, dated the 18th May, 1972 (copy enclosed), for a term of three years, to prepare lists of drugs and medical requisites which are of an essential character and should therefore, be accorded priority for manufacture in the country and for import from time to time. The Government of India are pleased to extend the tenure of the Committee by a period of two years, i.e. upto 18th May, 1977.

The terms of the Committee remain the same.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution may be communicated to :—

1. All the Ministries/Departments of the Government of India;

2. The Dte. G.H.S. (DC) New Delhi with reference to their U.O. No. F.10-10/75-DC dated the 15th April, 1975 (with 25 spare copies) with the request that copies may be provided to members of the Essential Drugs Committee.

3. Manager, Government of India Press, Faridabad for publication in the Gazette of India for general information.

4. All Sections in the Department of Health.

MRS. SATHI NAIR,
Under Secy.

New Delhi, the 18th May 1975

RESOLUTION

No. F.4-6/70-D.—The Government of India consider that it is necessary to constitute a committee of experts to advise them regarding the preparation of lists of drugs and medical requisites which are of an essential character and should therefore, be accorded priority for manufacture in the country and for import from time to time. It has therefore, been decided to constitute the Committee on Essential Drugs with the following as members for a term of 3 years to prepare lists of essential drugs and medical requisites :—

Chairman—

1. The Director General of Health Services.

Members—

2. Dr. K. L. Wig, 79 Sunder Nagar, New Delhi.
3. Dr. P. N. Chhuttani, Dir. Post Graduate Institute of Medical Education & Research, Chandigarh.
4. Dr. M. K. Chhetri, Prof. Director Department of Medicine, Institute of Post Graduate Medical Education & Research Calcutta.
5. The President,
Deptt. of Medical Association I.M.A. Home Inderprastha Marg, New Delhi.
6. Dr. M. N. Jindal Prof. of Pharmacology,
B. J. Medical College, Ahmedabad.
7. Major General Inder Singh, Sr. Consultant (Medicine), D.G.A.F.M.S., New Delhi.
8. Dr. P. S. Dandiya, Prof. of Pharmacology,
S.M.S. Medical College, Jaipur.
9. Dr. S. L. Agarwal, Dean Medical College, Raipur.
10. Dr. B. Mukerjee, Prof. of Medicine,
Rajendra Medical College Ranchi.
11. Dr. B. B. Tripathey, Prof. of Medicine,
S.C.B. Medical College, Cuttack.
12. Dr. N. N. Gupta, Prof. and Head of Deptt. of Medicine, K. G. Medical College, Lucknow.
13. Dr. K. V. Thiruvengadam, Vice Principal & Prof. Clinical Medicine Stanley Medical College and Hospital, Madras
14. A Representative of the Govt. of Andhra Pradesh.
15. Dr. K. G. Nair, Prof. Dir. of Medicine, Seth G. S. Medical College, King Edward VII Memorial Hospital, Bombay.
16. The Commissioner, Food and Drug Administration, Maharashtra State, Bombay

Member Secretary—

17. The Drugs Controller (India).

2. The Chairman of the Committee will have the power to form sub-committees whenever required and also to Co-opt experts from outside on such sub-Committees.

3. The Committee will have the power to frame its own rules of procedure.

4. The members will not be paid any remuneration but will be entitled to travelling allowance for attending meeting in accordance with Government Rules

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution may be communicated to all the Ministries/Departments of the Government of India, Dte. G.H.S. New Delhi and members of the Committee on the Essential Drugs.

ORDERED that a copy of the Resolution be sent to the Manager, Government of India Press, Faridabad for publication in the Gazette of India for general information.

Copy to all Sections in the Department of Health.

RAMESH BAHADUR,
Under Secy.

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE

(DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 8th May 1975

No. F.1-2/75-SP-I.—The term of the All India Council of Sports constituted by the Resolution No. F.1-2/72-YS.1(2) dated 13th April, 1972, expired on 12th April, 1975. Pending reconstitution of the Council, Government have decided to extend the tenure of the president and the following members of the Council till such time as fresh nominations are made :

President :

General P. P. Kumaramangalam.

Members :

(i) *Sportsmen* :

1. Shri Mansoor Ali Khan
2. Shri Balbir Singh
3. Shri S. Mewalal
4. Dr. T. Ao
5. Shri R. Krishnan
6. Shri Ghaus Mohammed
7. Shri Nandu Natekar
8. Shri Mihir Sen
9. Shri Milkha Singh
10. Shri B. S. Bamah
11. Shri Bhim Singh
12. Shrimati Arati Gupta
13. Shrimati Stephie Sequira
14. Shri Tenzing Norgay
15. Shri A. Palanichami
16. Dr. Karni Singh

(ii) *Sports promoters* :

17. Shri Bhairab Chandra Mahanti
18. Shri V. N. Kak
19. Shri R. T. Parthasarathy
20. Shri G. K. Handoo
21. Shri M. R. Krishna
22. Shri P. Sahai

(iii) *Sports Writer* :

23. Shri Ron Hendricks

(iv) *Educationists* :

24. Shri G. Parthasarathi
25. Professor Chandran D. S. Devanesen
26. Shri M. N. Kapur

(v) *Members of Parliament* :

27. Shri Indrajit Gupta MP (Lok Sabha)
28. Shri Zulfiquar Ali Khan, MP (Lok Sabha)
29. Shri Vayalar Ravi, MP (Lok Sabha)
30. Shri G. Venkatswamy, MP (Lok Sabha)
31. Shri Vithal Gadgil, MP (Rajya Sabha)
32. Shri K. P. Singh Deo, MP (Rajya Sabha)

(vi) *Representative of the Ministry of External Affairs* :

33. Shri Surendra Sinh Alirajpur Joint Secretary

(vii) *Member Secretary* :

34. Shri Shahid Alikhan,
Joint Secretary,
Ministry of Education and Social Welfare.

S. L. KAUSHAL,
Under Secy.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 23rd April 1975

RESOLUTION

No. Q-13012(5)/72-WE.—Shri S. R. Sankaran, is appointed as a Member of the Workers' Education Review Committee, constituted by the Government of India, Ministry of Labour by their Resolution No. Q-13012(5)/72-WE, dated the 29th July, 1974, *vice* Shri A. R. Sankaranarayan who has resigned.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

HANS RAJ CHHABRA,
Deputy Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1975